



Adv. Mukesh. Bajolia

04 Mar 1977

09:45 AM

Gwalior

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 119314901

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 04/03/1977
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 09:45:00 घंटे
इष्ट _____: 07:45:57 घटी
स्थान _____: Gwalior
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:12:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:27:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:11:49 घंटे
साम्पातिक काल _____: 20:14:51 घंटे
सूर्योदय _____: 06:38:37 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:20:06 घंटे
दिनमान _____: 11:41:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 19:56:14 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 20:49:50 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: सुकर्मा
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन



FUTUREPOINT
Astro Solutions



पंचांग

दादा का नाम _____ :
 पिता का नाम _____ :
 माता का नाम _____ :
 जाति _____ :
 गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1898	फाल्गुन	13
पंजाबी	संवत : 2033	फाल्गुन	21
बंगाली	सन् : 1383	फाल्गुन	20
तमिल	संवत : 2033	मासी	21
केरल	कोल्लम : 1152	कुंभम	20
नेपाली	संवत : 2033	फाल्गुन	21
चैत्रादि	संवत : 2033	फाल्गुन	शुक्ल 14
कार्तिकादि	संवत : 2033	फाल्गुन	शुक्ल 14

पंचांग

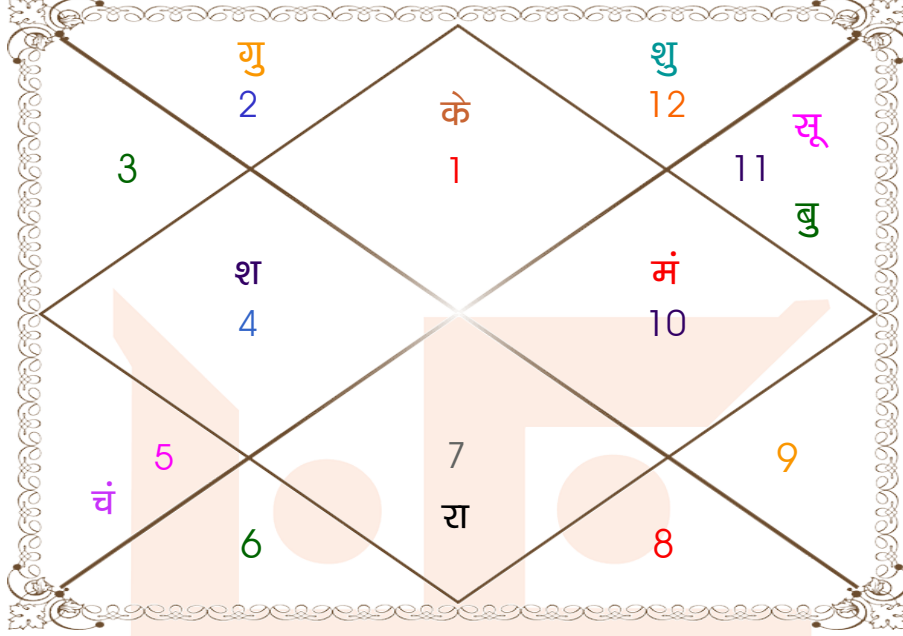
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 14
 तिथि समाप्ति काल _____ : 24:27:16
 जन्म तिथि _____ : 14
 सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : आश्लेषा
 नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 09:28:21 घंटे
 जन्म योग _____ : मघा
 सूर्योदय कालीन योग _____ : अतिगण्ड
 योग समाप्ति काल _____ : 09:35:41 घंटे
 जन्म योग _____ : सुकर्मा
 सूर्योदय कालीन करण _____ : गर
 करण समाप्ति काल _____ : 13:08:06 घंटे
 जन्म करण _____ : गर
 भयात _____ : 00:41:39
 भभोग _____ : 58:10:15
 भोग्य दशा काल _____ : केतु 6 वर्ष 11 मा 0 दि

घात चक्र

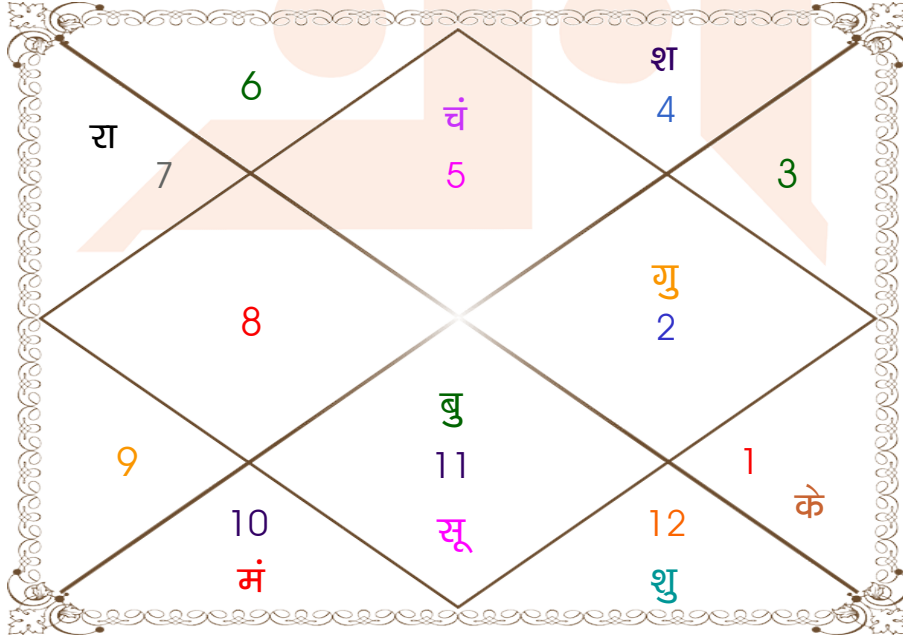
मास _____ : ज्येष्ठ
 तिथि _____ : 3-8-13
 दिन _____ : शनिवार
 नक्षत्र _____ : मूल
 योग _____ : धृति
 करण _____ : बव
 प्रहर _____ : 1
 वर्ग _____ : मार्जार
 लग्न _____ : मीन
 सूर्य _____ : धनु
 चन्द्र _____ : मकर
 मंगल _____ : मकर
 बुध _____ : तुला
 गुरु _____ : कुम्भ
 शुक्र _____ : मीन
 शनि _____ : वृश्चिक
 राहु _____ : मेष

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

शु	के ल	गु	
बु सू			श
मं			चं
		रा	

लग्न कुंडली

गु	के ल	शु बु सू
श		मं
चं		
	रा	

विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 11मा 0दि
केतु

04/03/1977

02/02/2097

केतु	03/02/1984
शुक्र	03/02/2004
सूर्य	02/02/2010
चन्द्र	03/02/2020
मंगल	02/02/2027
राहु	02/02/2045
गुरु	02/02/2061
शनि	03/02/2080
बुध	02/02/2097

योगिनी
भद्रिका 4वर्ष 11मा 8दि
सिद्धा

11/02/2024

11/02/2031

सिद्धा	22/06/2025
संकटा	11/01/2027
मंगला	23/03/2027
पिंगला	12/08/2027
धान्या	13/03/2028
भामरी	22/12/2028
भद्रिका	12/12/2029
उल्का	11/02/2031



FUTUREPOINT
Astro Solutions



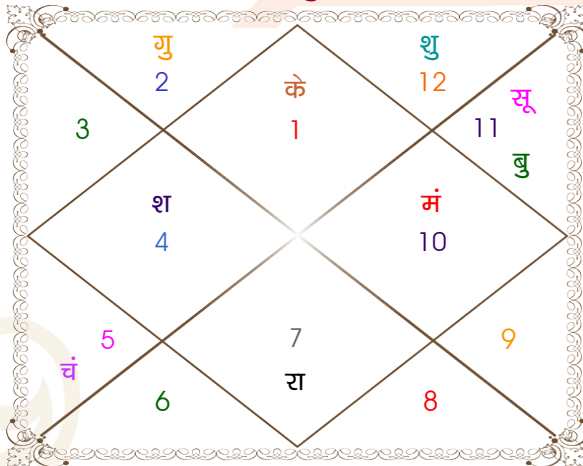
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	20:49:50	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कुम्भ	19:56:14	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	सिंह	00:09:26	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	मकर	24:02:37	उच्च राशि	--	--	--	नेक
बुध	कुम्भ	09:38:03	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	वृष	01:15:08	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	मीन	28:22:16	उच्च राशि	--	--	--	नेक
शनि	व कर्क	17:39:44	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व तुला	01:28:06	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व मेष	01:28:06	मित्र राशि	--	--	--	नेक

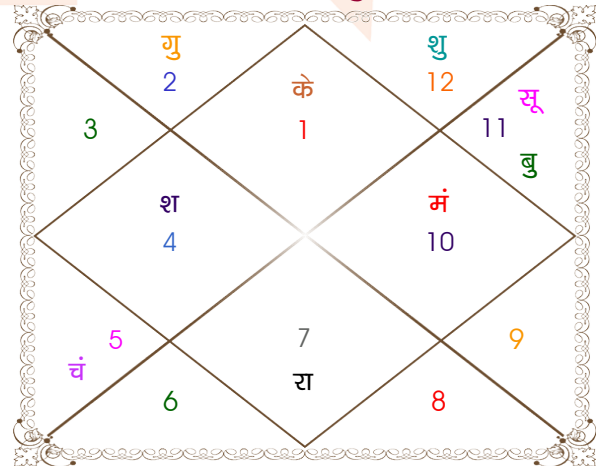
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



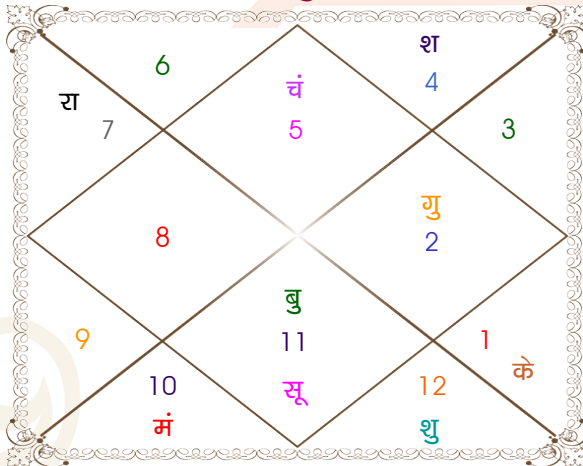
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

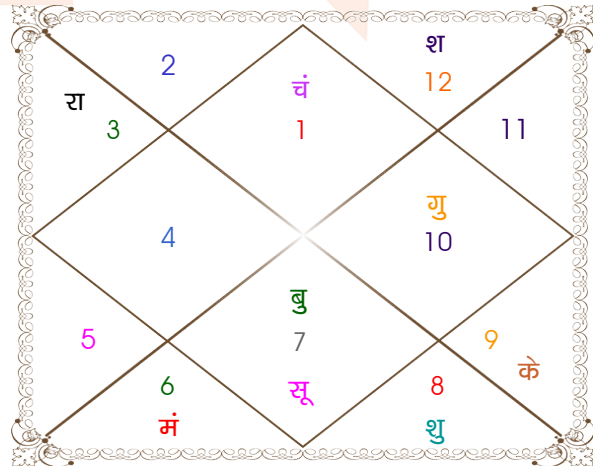
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	पूर्णधर्मी मगर अपनी ही ऐश पसंद ।	--
चंद्र	बच्चों के दूध की माया तथा आत्मिक नदी ।	--
मंगल	चींटी के घर भगवान राजा ।	--
बुध	दौलत मंद, उल्लू का पढ़ा ।	--
गुरु	जगतगुरु ।	--
शुक्र	कामधेनु गाय, लक्ष्मी ।	--
शनि	पानी का सांप ।	--
राहु	चंडाल, लक्ष्मी का धुआं निकालने वाला ।	राशि
केतु	सारे शहर के बच्चों की फिक्र में गलता होगा ।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 04/03/1977 04/03/1983	राहु 6 वर्ष 04/03/1983 04/03/1989	केतु 3 वर्ष 04/03/1989 04/03/1992	गुरु 6 वर्ष 04/03/1992 04/03/1998	सूर्य 2 वर्ष 04/03/1998 04/03/2000
राहु 04/03/1979 बुध 04/03/1981 शनि 04/03/1983	मंगल 04/03/1985 केतु 04/03/1987 राहु 04/03/1989	शनि 04/03/1990 राहु 04/03/1991 केतु 04/03/1992	केतु 04/03/1994 गुरु 04/03/1996 सूर्य 04/03/1998	सूर्य 03/11/1998 चंद्र 04/07/1999 मंगल 04/03/2000
चंद्र 1 वर्ष 04/03/2000 04/03/2001	शुक्र 3 वर्ष 04/03/2001 04/03/2004	मंगल 6 वर्ष 04/03/2004 04/03/2010	बुध 2 वर्ष 04/03/2010 04/03/2012	शनि 6 वर्ष 04/03/2012 04/03/2018
गुरु 03/07/2000 सूर्य 02/11/2000 चंद्र 04/03/2001	मंगल 04/03/2002 शुक्र 04/03/2003 बुध 04/03/2004	मंगल 04/03/2006 शनि 04/03/2008 शुक्र 04/03/2010	चंद्र 03/11/2010 मंगल 04/07/2011 गुरु 04/03/2012	राहु 04/03/2014 बुध 04/03/2016 शनि 04/03/2018
राहु 6 वर्ष 04/03/2018 04/03/2024	केतु 3 वर्ष 04/03/2024 04/03/2027	गुरु 6 वर्ष 04/03/2027 04/03/2033	सूर्य 2 वर्ष 04/03/2033 04/03/2035	चंद्र 1 वर्ष 04/03/2035 04/03/2036
मंगल 04/03/2020 केतु 04/03/2022 राहु 04/03/2024	शनि 04/03/2025 राहु 04/03/2026 केतु 04/03/2027	केतु 04/03/2029 गुरु 04/03/2031 सूर्य 04/03/2033	सूर्य 02/11/2033 चंद्र 04/07/2034 मंगल 04/03/2035	गुरु 04/07/2035 सूर्य 03/11/2035 चंद्र 04/03/2036
शुक्र 3 वर्ष 04/03/2036 04/03/2039	मंगल 6 वर्ष 04/03/2039 04/03/2045	बुध 2 वर्ष 04/03/2045 04/03/2047	शनि 6 वर्ष 04/03/2047 04/03/2053	राहु 6 वर्ष 04/03/2053 04/03/2059
मंगल 04/03/2037 शुक्र 04/03/2038 बुध 04/03/2039	मंगल 04/03/2041 शनि 04/03/2043 शुक्र 04/03/2045	चंद्र 02/11/2045 मंगल 04/07/2046 गुरु 04/03/2047	राहु 04/03/2049 बुध 04/03/2051 शनि 04/03/2053	मंगल 04/03/2055 केतु 04/03/2057 राहु 04/03/2059
केतु 3 वर्ष 04/03/2059 04/03/2062	गुरु 6 वर्ष 04/03/2062 04/03/2068	सूर्य 2 वर्ष 04/03/2068 04/03/2070	चंद्र 1 वर्ष 04/03/2070 04/03/2071	शुक्र 3 वर्ष 04/03/2071 04/03/2074
शनि 04/03/2060 राहु 04/03/2061 केतु 04/03/2062	केतु 04/03/2064 गुरु 04/03/2066 सूर्य 04/03/2068	सूर्य 02/11/2068 चंद्र 04/07/2069 मंगल 04/03/2070	गुरु 04/07/2070 सूर्य 03/11/2070 चंद्र 04/03/2071	मंगल 04/03/2072 शुक्र 04/03/2073 बुध 04/03/2074
मंगल 6 वर्ष 04/03/2074 04/03/2080	बुध 2 वर्ष 04/03/2080 04/03/2082	बुध 2 वर्ष 04/03/2080 04/03/2082	बुध 2 वर्ष 04/03/2080 04/03/2082	बुध 2 वर्ष 04/03/2080 04/03/2082
मंगल 04/03/2076 शनि 04/03/2078 शुक्र 04/03/2080	चंद्र 02/11/2080 मंगल 04/07/2081 गुरु 04/03/2082	चंद्र 02/11/2080 मंगल 04/07/2081 गुरु 04/03/2082	चंद्र 02/11/2080 मंगल 04/07/2081 गुरु 04/03/2082	चंद्र 02/11/2080 मंगल 04/07/2081 गुरु 04/03/2082

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

देवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग देवा उसको कहते हैं जबकि देवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का देवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग देवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का देवा नहीं है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक



FUTUREPOINT
Astro Solutions



के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतूतों का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का



FUTUREPOINT
Astro Solutions



उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपकी इच्छाएं बहुत ऊंची होंगी और पूर्ण भी होंगी। आप पूर्ण धार्मिक विचारों के होंगे। सत्तापक्ष से लाभ होगा। आपको ऐशो-आराम मिलेगा और जीवन उत्तम रहेगा। आपको तीन पुत्रों का सुख मिलेगा। आप बाहर से सुंदर दिखने वाला मकान बनाएंगे। आप अमीरी जीवन व्यतीत करेंगे। सुस्ती और लापरवाही से जीवन में आए शुभ अवसरों को आप खो सकते हैं। आपके जीवन की आखिरी अवस्था अच्छी बीतेगी। आपकी उन्नति होती रहेगी। आप आस्तिक होंगे। आपके अपने सरकल में अच्छे ताल्लुकात बनेंगे। बुराई के कामों से आप हमेशा दूर रहेंगे। आप शाकाहारी होंगे और आज्ञाकारी स्त्री व संतान का सुख मिलेगा। जीवन में सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। आपके पूरे परिवार का धार्मिक होना शुभ होगा।

यदि आपने पब्लिक को लाभ देने की बजाय उल्टे उनका काम बिगाड़ा, भेड़-बकरी मारी या भेड़-बकरी का मांस खाया, पिता के बहन-भाई से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पिता के बहन भाई अशुभ फल देंगे। शराब पीने, मांस खाने और झूठ बोलने से चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आएगा। आपको सपने में सांप दिखें तो, इसका अशुभ फल होगा। दूसरे को गाली देना, लड़ाई-झगड़ा करना, झूठी गवाही देने पर किसी की अमानत में खयानत करने से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। पुत्र जन्म में बाधा या पुत्र सुख नहीं मिलेगा। झूठ बोलने से आपकी शक्ति कम होगी। यात्रा में चोट-हानि का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ-झूठ से परहेज रखें।
2. शराब-मांस-मछली का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मूली का दान करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

संतान सुख और संतान की लंबी आयु के लिए -

1. 45 वर्ष की आयु में कसाई से बकरा छुड़ा कर जंगल में खुला छोड़ दें।
2. 43 दिन तक रेत पर बिस्तर लगा कर सोयें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से



FUTUREPOINT
Astro Solutions



संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग के अधिकारी हो सकते हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा करेंगे। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगे। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगे। आप रहम दिल इंसान होंगे और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगे। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे वह जरूर जीतेगा। सरकारी काम शुभ फल देने वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाही कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरूर लेवें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न देवें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेवें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका संतान पक्ष निर्बल रहेगा। 45 वर्ष की आयु तक संतान सुख के लिए समय मध्यम रहेगा। आपकी कमांडिंग बरकरार होगी। अगर आप सरकारी सेवा में रत होते हैं तो सेना या पुलिस में उच्च पद मिलेगा। आप एक जाने-माने समाज सेवक होंगे। आप अवश्य ही धनवान होंगे। आप अच्छे या बुरे तरीके से भी धन कमा कर बड़ी जायदाद के मालिक बनेंगे। 32 वर्ष से 64 वर्ष आयु तक खूब धन का आगमन होगा। आप राज सुख से युक्त रह कर शाही जीवन बिताएंगे। आप पोते-पड़पोते का सुख भोगेंगे। आपके जन्म के बाद आपके पिता की माली हालत अच्छी होने की उम्मीद है। आप अपनी जायदाद बनाएं और आप कई मकान के मालिक होंगे। अपनी मेहनत से दौलत पैदा करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। गृहस्थ जीवन आराम से गुजरेगा। आप में पूरी दिलेरी रहेगी और आपका हौसला बुलंद रहेगा। आपके यहां कई



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मांगलिक कार्य होंगे। मिला-जुला कर आपका जीवन बहुत सुखी रहेगा।

यदि आपने पुलिस सेना विभाग से झगड़ा किया, समाज विरोधी कार्य किये, परिवार के लोगों के साथ झगड़ा किया, नमक या नमकीन चीजों का अधिक प्रयोग किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से 22वां वर्ष खुद के लिए कष्टकारक होगा। आप खानदान को तोड़ने वाले होंगे। आप सोना बेचेंगे तो इसका बुरा असर औलाद पर पड़ेगा। आपकी बदनामी हो सकती है। चोरी का लांछन भी लग सकता है कभी जेल भी जाना पड़े, ऐसी आशंका है या आपको जेल विभाग में नौकरी करनी पड़ सकती है। ननिहाल में रहना आपको मंदा फल देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सोना न बेचें।
2. दूध उबल कर गैस चूल्हे/चूल्हे या अंगीठी पर न गिरे, न जले।

उपाय :

1. हिरण की पालना करें।
2. काने-काने, गंजे व्यक्ति की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और

उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :

1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति दूसरे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप गुरु का दायित्व निभाएंगे शिक्षा तथा ज्ञान फैला कर उनकी समस्याओं का हल निकाल लेंगे। आपका गृहस्थ जीवन सुखी होगा। दौलत बहुत आ जाएगी। सरकारी कामकाज के अवसर मिलेंगे। आप अपनी जायदाद खुद बनाएंगे। आपके पिता के आशीर्वाद से आपकी दौलत में वृद्धि होगी। अगर आप सरकारी नौकरी करते हैं तो 27वें साल में सरकारी नौकरी में तरक्की होगी। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आप में हुक्मत करने की ताकत होगी और जीवन की हर मंजिल पर फतह पाएंगे। आपका कुछ बुरा होने वाला होगा उसके पहले आपको पता चल जाएगा। आपको अचानक दबा धन मिलने की संभावना है। आपको विद्या का बहुत लाभ मिलेगा। आपकी पत्नी सुंदर होगी। आप जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आप बहादुर होंगे। खेती-बाड़ी या मिट्टी से संबंधित कामों में या कपड़े से संबंधित नौकरी-व्यापार में अच्छा लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी का विरोध किया, सराफी-जौहरी का काम किया, माता-पिता का विरोध किया या माता-पिता को कष्ट दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपकी नजर पर बुरा प्रभाव पड़ने की शंका है। बुढ़ापे में स्वास्थ्य और आर्थिक हालत अच्छी नहीं रहेंगे। आपको दूसरे के झगड़े में पड़ने से नुकसान उठाना पड़ेगा। आप कुछ दुःखी रहेंगे ऐसी आशंका है। आप में बेरहमी भी होगी। पुलिस/कोर्ट से दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सराफी/जौहरी के काम न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. मकान में कच्चा हिस्सा जरूर रखें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी ज्योतिष, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आप अपने परिवार का पोषण करेंगे। राज्य पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। आप हर प्रकार से सुखी रहेंगे। स्त्री के माध्यम से जो भी कार्य संपन्न होते हैं वह आपके लिए अच्छा होगा। आपके काम के सुनिश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आड़े समय में मदद्गार होगी। आपके जीवन में तरक्की की बागडोर आपकी पत्नी के हाथ में होगी। आप औरत की इज्जत करेंगे इसका अच्छा फल मिलेगा। विवाह के बाद काफी धन मिलेगा। स्त्री का पूरा सुख मिलेगा। आप सदैव ही दूसरों की सेवा हेतु तत्पर रहेंगे। आप जवानी में अपना समय ऐशो आराम से बिताएंगे। आपके मन में वहम समाया हुआ रहेगा। आप चित्रकला प्रिय अथवा गायन प्रिय होंगे। आप धर्माचरण करके शुभ प्रभाव को अपनाएंगे। आपको खेती-बाड़ी का लाभ भी मिलेगा। आप बेरहम होंगे फिर भी आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा। आपके पास बहुत जायदाद होगी।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे या पत्नी की सेहत खराब के समय देखभाल न की, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप बूढ़े होने पर दूसरे लोगों को अपने जीवन में भुगती बातों को सुना कर समय बर्बाद करेंगे। पत्नी बीमार रहा करेगी तो आपका भाग्य अच्छा नहीं रहेगा। कन्या संतान का आपके जीवन पर बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. पत्नी के स्वास्थ्य का विधेय ध्यान रखें।

उपाय :

1. गाय दान करें।
2. देसी घी का दीपक जलावें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में शनि पड़ा है, जिसकी वजह से आपका जीवन सुखी रहेगा। आप स्त्री और प्रेम संबंधों से घिरे रहेंगे, परंतु जवानी के बाद कामवासना से परहेज और धार्मिक विचारों की प्रवृत्ति हो जाएगी। सेहत खराब के समय शराब दवा के रूप में काम करेगी। आपके रिश्तेदार आपकी सहायता करेंगे। माता या पिता में से एक का सुख बहुत लंबे समय तक मिलेगा। दूसरी औरतों के आगे-पीछे भागना, आपकी अपनी पत्नी के लिए बुरा असर करेगा। घर से दूर विद्या पढ़ें तो अधिक लाभ होगा।

यदि आपने किराये के मकान में रिहाईश की, मकान में काले कीड़े निकले, सांप

का तेल बेचना शुरू किया, मादक चीजें बेचीं तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप क्रोधी, धूर्त, पानी के सांप जैसे स्वभाव के होंगे, आपको मकान-जायदाद का सुख कम ही मिलेगा। कभी बीमारी के चक्कर में पड़ जाएं तो शनि की चीजों का प्रयोग करें। माता दुःखी रहेंगी या माता के लिए कष्टकारक समय होगा। विधवा स्त्री से अनैतिक संबंध रखने पर या खर्च करने से कंगाल हो जाएंगे। शराब पीने से शुभ प्रभाव नष्ट हो जाएगा। पेट में खराबी, विकार रहेंगे। आपकी जायदाद पर दूसरों का कब्जा हो सकता है और आप पर लांछन लगेगा। आपकी पत्नी आपके कारण दुःखी रह सकती है या आपको पत्नी सुख में कमी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हरा रंग हानिकारक है।
2. काला कपड़ा न पहनें।

उपाय :

1. कुएं में दूध डालें।
2. मछली-भैंस-कौवे को भोजन का हिस्सा खिलायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से 21 वर्ष के पहले या 29वें वर्ष विवाह हो जाए तो बुरे फल की आशंका बनती है। आपका संबंध राजनीतिज्ञों से रहेगा। अगर आप सरकारी विभाग में सेवारत हैं तो सरकारी विभाग में पदोन्नति एवं पुरस्कार मिलने की आशा है। धन और मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप बिजली के काम, पुलिस या जेल विभाग की नौकरी से आजीविका चला सकेंगे। शेयर/लाटरी में दिवालिया हो सकते हैं। आपको कन्या संतान का सुख विवाह के बाद जल्द ही परंतु पुत्र सुख में विलंब हो सकता है। विदेश की यात्रा भी हो सकती है। आप जन्म स्थान से बाहर रह कर ही सुखी रह सकेंगे। यदि आप अपने धन पर नियंत्रण नहीं रख सके तो सगे-संबंधी निश्चित रूप से धन की क्षति करने में पीछे नहीं रहेंगे।

यदि आपने अपने पास दोहता रखा या कुत्ता पाला, समाज में बदनामी के कार्य किये, पत्नी से मार-पीट की तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से भाई-बन्धु आपकी संपत्ति खा जाएंगे। भाई द्वारा भी आपके धन का दुरुपयोग हो सकता है। आपको साझेदारी के व्यवसाय, बिजली के सामान की दुकानदारी या व्यवसाय से हानि की आशंका है। पुलिस, जेल विभाग की नौकरी में धोखा-धड़ी की तो आपकी आयु क्षीण होगी। पत्नी से मन-मुटाव रह सकता है इसका कारण आपका शंकाग्रस्त रहना बताता है। पत्नी से जुदाई मुकद्दमेबाजी हो ऐसी शंका है। आपको राजदरबार से परेशानी या काम काज में रुकावट नहीं आएगी। आपके जीवन में आपकी बदनामी भी हो

सकती है। जीवन में संघर्ष रहेगा। पारिवारिक दशा बहुत अच्छी नहीं रहेगी। धन-संपत्ति एवं पत्नी के सुख में अभाव रह सकता है। कोई गर्भपात संभव है। पत्नी को सिरदर्द की बीमारी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर में कुत्ता न पालें।
2. बिजली, पुलिस व जेल विभाग में काम न करें।

उपाय :

1. घर में 2 चांदी की ईंटें कायम करें।
2. नारियल का दान करें।
3. चांदी की डिब्बी में चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सुखी, धनी, मेहनती होंगे। आपकी तरक्की अधिक तबदीली कम रहेगी। आप अपने पिता के लिए वरदान सिद्ध होंगे। आप पिता की सेवा करेंगे। आप सरकारी विभाग में सेवारत होंगे तो एक अच्छे सरकारी आफिसर हो सकते हैं। यात्रा का आदेश पत्र प्राप्ति के बावजूद यात्रा न होगी। आपकी आजीविका निरंतर चलती रहेगी। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में भी हो सकता है। आपको शक्ति मिलेगी। आपके भाग्य में शुभ फल प्राप्त होगा। पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। माता पर भी अच्छा प्रभाव ही रहना चाहिए। परंतु यह कोई जरूरी नहीं है कि माता पर शुभ प्रभाव ही पड़े। आप लाखों का लेन-देन करेंगे परंतु धन जमा होने में आशंका है। आप गुरु-पिता के सेवक होंगे।

यदि आप अपने पिता से दूर रहे, रिश्तेदारों को बर्बाद करने की कोशिश की या मकान को बिना कारण बेचा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से जहां आपका जन्म होगा रिश्तेदार तबाह हो जाएंगे। आपके मन में काल्पनिक फिक्र पैदा हो सकती है। पुत्र को कोई कष्ट उत्पन्न होगा। आप पर बुरा असर पड़ सकता है। आपकी गृहस्थी पर कुछ बुरा प्रभाव पड़े ऐसी आशंका है। नाभि के नीचे की बीमारियां होंगी या आपको गुप्तांग में बीमारी हो सकती है। आपको लंबी या विदेश की यात्रा बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ सकता है। आपको संतानोत्पत्ति की चिंता बनी रहेगी। पोते के जन्म के बाद सेहत खराब हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें या बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिरी मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें।



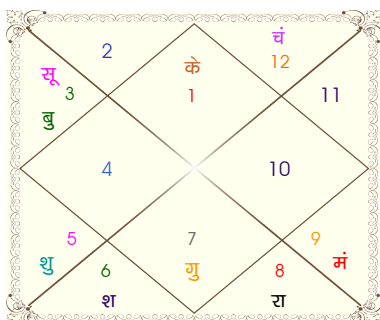
FUTUREPOINT
Astro Solutions



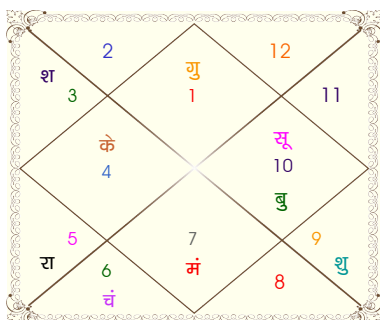
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब - वर्ष कुँडली

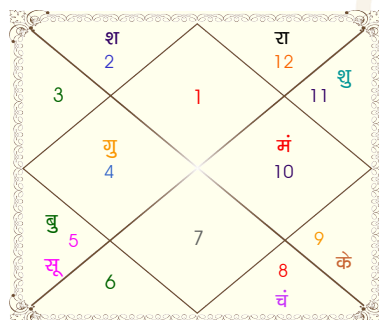
2025



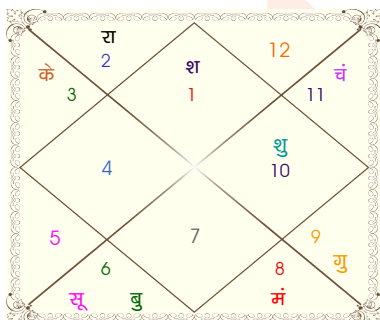
2026



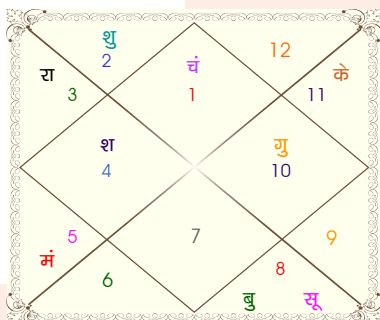
2027



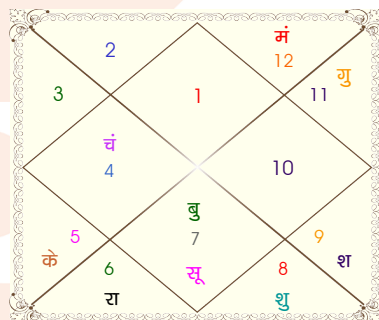
2028



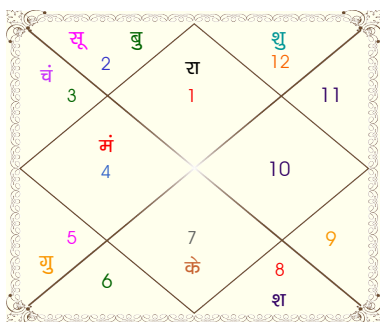
2029



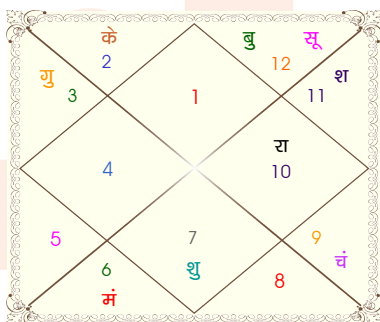
2030



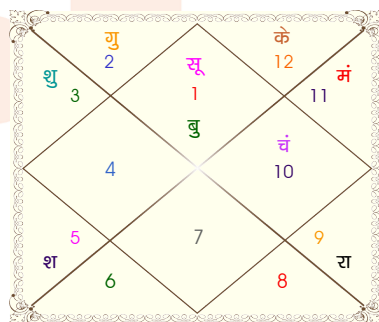
2031



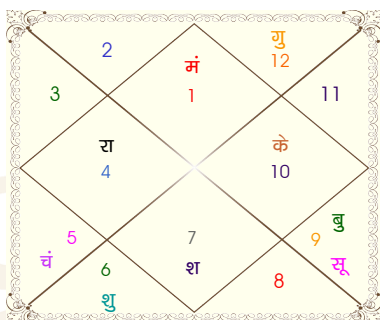
2032



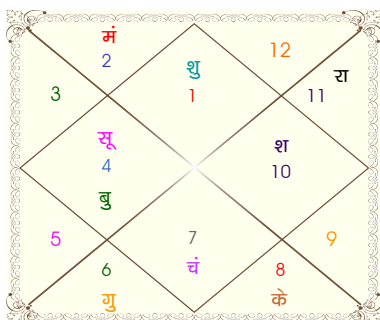
2033



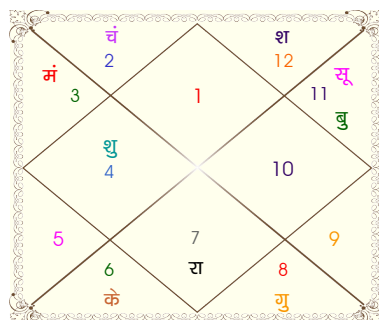
2034



2035



2036



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

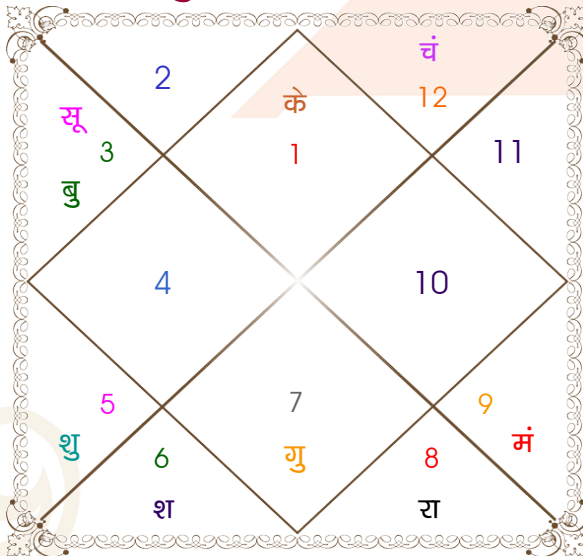
वर्तमान आयु - 49
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

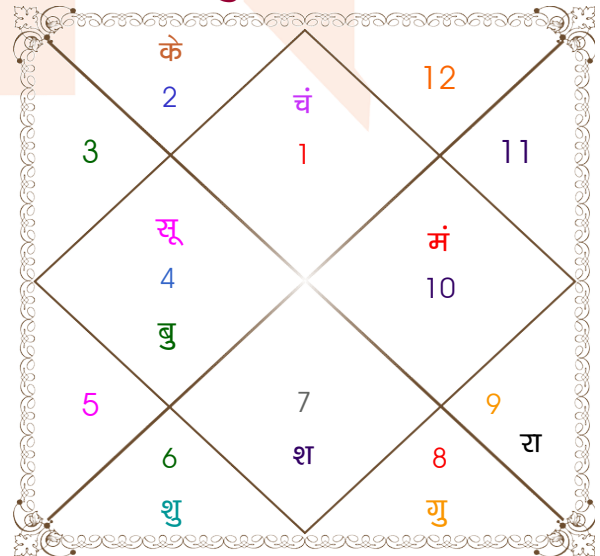
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप दूसरों की सहायता करेंगे और बहादुरी के कार्य करेंगे, उत्साह और फुर्तीलापन रहेगा, आपको लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना चाहिए, गणित और ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी। सरकारी विभाग से लाभ, मुकदमे में जीत होगी, भाई-बंधुओं से प्यार बढ़ेगा। बहन-बेटी द्वारा लाभ मिल सकता है।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे कामों से दूर रहें।
2. चोरी न करें, चोरी के माल से दूर रहें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकदमे में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। विवाहित भाई के साथ रहेंगे या उसकी पत्नी की सेवा करेंगे तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की हैसियत से उभरेंगे और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाईश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, साली-बुआ से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रुकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकते हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन की चिंता या उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परस्त्री पर कामुक हो सकते हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अंतर्जातीय या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। स्त्री के गर्भपात का भय रहेगा। बुआ-बेटी, बहन-साली के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।
2. गायों को चारा खिलाये।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें इससे आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रुचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नीम का पानी घर पर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

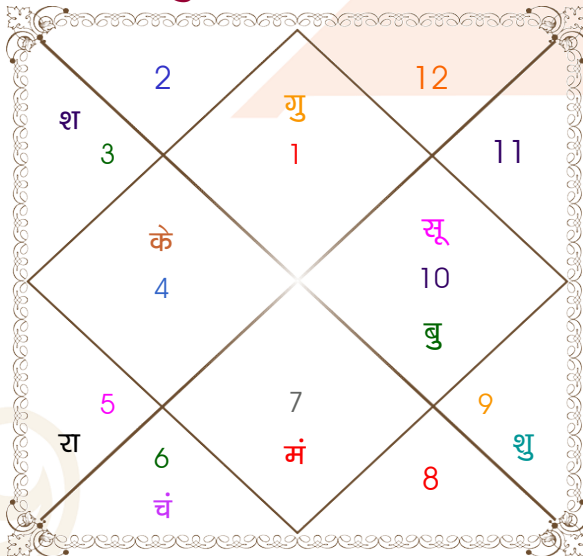
वर्तमान आयु - 50
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

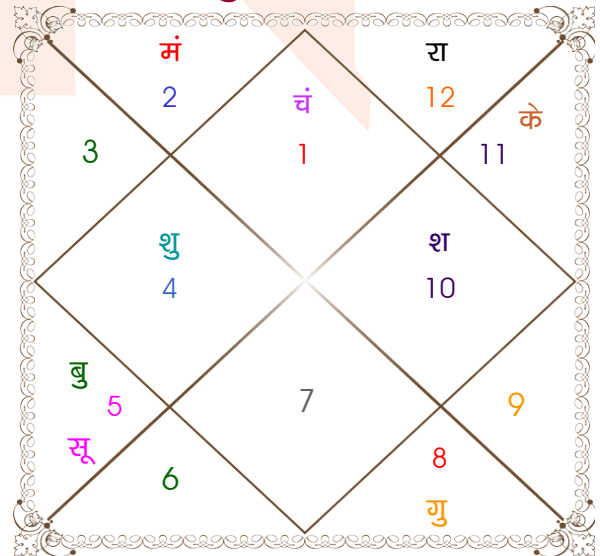
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ, बेटी, साली, बहन की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकलेंगे, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगे तो वह आपको हानिकारक हो सकते हैं। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं इससे बच कर रहें। स्त्री, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-बंधुओं से सावधान रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्य से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्य 1 संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीढ़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रुकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में दें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में दें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

